सत्यमेव जयते
Ministry of Ayush
Government of India

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान
MDNIY
मो.दे.रा.यो.सं.

MDNIY

E-Newsletter

September 2025

प्रधान संपादक की कलम से

संपादकीय टीम

प्रधान संपादक

प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी
निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.

प्रबंध संपादक

मो. तैयब आलम
संचार एवं प्रलेखन अधिकारी,
और उपनिदेशक (प्रभारी)

संपादक

सौदामिनी सिंह
वरिष्ठ सलाहकार (मीडिया)

संतोष सिंह
सलाहकार (मीडिया)

डिजाइन

मोहन भारद्वाज
सलाहकार (डिज़ाइनर)

ताज़ा जानकारी के लिए जुड़े:

@mdniyayush

@mdniyyoga

@mdniy

@mdniyyoga

योग का शाश्वत विज्ञान हजारों वर्ष पहले भारत में जन्मा और हमारे महान संतों और ऋषियों द्वारा पोषित किया गया। समय के साथ, उनके दूरदर्शी उत्तराधिकारी इसे एक वैज्ञानिक और व्यावहारिक प्रणाली के रूप में संवारते गए, जिससे योग आज हर व्यक्ति के लिए सुलभ और जीवन में उपयोगी बन गया है। आज योग केवल संन्यासियों, संतों या ऋषियों तक सीमित नहीं है, यह हमारे दैनिक जीवन में सहज रूप से समाहित हो चुका है और वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रेरित कर रहा है। स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं की रोकथाम और प्रबंधन में यह अत्यधिक लाभकारी सिद्ध हो रहा है।

प्रधान संपादक
प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी
निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.

क्लिनिकल शोध ने लगातार यह प्रमाणित किया है कि योग अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, कमर दर्द, मधुमेह, माइग्रेन और तनाव–संबंधी मानसिक व शारीरिक विकारों के प्रबंधन में अत्यंत लाभकारी है। इन संभावनाओं को पहचानते हुए मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो.दे.रा.यो.सं.) योग शिक्षा, चिकित्सा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक बनकर उभरा है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से संस्थान ने योग के ज्ञान और अभ्यास को विश्वस्तरीय मानकों तक विस्तारित किया, जबकि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर में गहराई से निहित रहा है।

सितम्बर 2025 में संस्थान ने हिंदी पखवाड़ा, शिक्षक दिवस समारोह, अभिविन्यास व्याख्यान और अन्य कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला सफलतापूर्वक आयोजित की। मुझे यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि मो.दे.रा.यो.सं. शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानकों का पालन समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कर रहा है। संस्थान योग शिक्षा के नए युग का मार्गदर्शक बनकर छात्रों और नागरिकों के समग्र विकास में योगदान दे रहा है और योग की अनवरत विरासत को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दे रहा है।

अटल संकल्प के साथ, मो.दे.रा.यो.सं. ने शिक्षा में उच्चतम मानक स्थापित किए और समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया। हजारों शिक्षित और अनुशासित साधकों को योग में मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया, जिससे उनकी शारीरिक शक्ति, लचीलापन, मानसिक सहनशक्ति, तनाव प्रबंधन और समग्र व्यक्तित्व विकास में सुधार हुआ।

मो.दे.रा.यो.सं. का मिशन केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। संस्थान ने जमीनी स्तर पर रचनात्मकता, समस्या–समाधान, तार्किक क्षमता और सहयोगात्मक कौशल को पोषित करके यह सुनिश्चित किया है कि योग केवल अभ्यास न होकर समुदाय सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति का उत्प्रेरक बन जाए। इस समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से मो.दे.रा.यो.सं. योग के वास्तविक स्वरूप को प्रतिपादित करता है।

आपके मूल्यवान सुझावों का हम स्वागत करते हैं, जो हमारे ई–न्यूजलेटर को और बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

From the Desk of Editor-in-Chief

Editorial Team

Editor-in-Chief
Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi
Director, MDNIY

Managing Editor
Md. Taiyab Alam
Communication & Documentation Officer, and Deputy Director (I/c)

Editor
Saudamini Singh
Senior Consultant (Media)

Santosh Singh
Consultant (Media)

Design by
Mohan Bhardwaj
Consultant (Designer)

Catch the latest updates:

@mdniyayush

@mdniyyoga

@mdniy

@mdniyyoga

Yoga, a timeless science, originated in India thousands of years ago, nurtured by our great saints and sages. Over centuries, visionary successors refined Yoga into a practical and scientific methodology, making it accessible to all. Today, Yoga is no longer confined to hermits, saints, or sages; it has seamlessly integrated into daily life, inspiring global awareness, acceptance, and practice. Its techniques have been thoughtfully adapted to meet modern physiological needs and contemporary lifestyles, proving increasingly valuable in the prevention and management of a wide range of health conditions.

Editor-in-Chief
Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi
Director, MDNIY

Clinical research has consistently demonstrated the therapeutic benefits of Yoga in managing ailments such as asthma, bronchitis, low back pain, diabetes, migraine, and stress-related psychosomatic disorders. Recognising this potential, the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY) has emerged as a beacon of excellence in Yoga education, therapy, and research. By harmonising traditional wisdom with modern scientific approaches, the Institute has expanded knowledge and practices to world-class standards while remaining deeply rooted in India's rich heritage.

In September 2025, the Institute successfully conducted a wide array of programmes, including Hindi Pakhwada, Teachers' Day celebrations, Orientation Lectures along with other programmes. I take immense pride in affirming that MDNIY will continue to uphold the highest standards of academic and research excellence. The Institute stands as a harbinger of a new era in higher education, contributing to the holistic development of students and citizens alike, and championing the enduring legacy of Yoga worldwide.

With unwavering commitment, MDNIY has set and achieved the highest benchmarks in education, focusing on holistic development. Thousands of uniformed personnel have been trained as master trainers in Yoga, enhancing their physical strength, flexibility, mental resilience, stress management, and overall personality development.

The mission of MDNIY transcends personal wellness. By nurturing critical thinking, creativity, problem-solving, reasoning, and collaborative skills at the grassroots level, the Institute ensures that Yoga evolves into more than a practice—it becomes a catalyst for community empowerment and societal progress. Through this holistic approach, the true essence of Yoga is realized: fostering individual growth while uplifting the collective.

Your feedback is highly appreciated and will help us to improve our E-Newsletter.

मो.दे.रा.यो.सं. ने वर्ल्ड फूड इंडिया–2025 में किया योग शक्ति का प्रदर्शन

चार दिवसीय विश्व खाद्य भारत 2025 का समापन भारत मंडपम, प्रगति मैदान में हुआ, जो भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की प्रगति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रूस के उप प्रधानमंत्री श्री दिमित्रि पत्रुशेव, केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान और श्री प्रतापराव जाधव, तथा खाद्य प्रसंस्करण एवं रेलवे राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह की उपस्थिति में किया गया।

यह प्रदर्शनी, जो 25–28 सितंबर 2025 तक आयोजित की गई, मो.दे.रा.यो.सं. के लिए योग के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट मंच रही।

मो.दे.रा.यो.सं. के स्टाल पर आगंतुकों ने योग कंसल्टेंसी, योग थेरेपी, और योग फ्यूजन सत्र सहित विभिन्न कार्यक्रमों का अनुभव किया। ये पहलकदमी योग के रोकथाम और चिकित्सीय लाभों को उजागर करने के लिए डिजाइन की गई थी, जिससे व्यक्तियों को स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने में सशक्त किया जा सके।

MDNIY showcases the power of Yoga at World Food India- 2025

The four-day World Food India 2025 concluded at Bharat Mandapam, Pragati Maidan, marking a milestone in the growth of India's food processing sector. The event, inaugurated by the Hon'ble PM Sh. Narendra Modi in the presence of the Deputy Prime Minister of Russia, Mr. Dmitry Patrushev, Union Ministers Sh. Chirag Paswan and Sh. Prataprao Jadhav, and Minister of State for Food Processing and Railways Sh. Ravneet Singh, served as a global platform for leaders, policymakers, industry pioneers, and innovators to shape the future of food and agriculture.

The exhibition, held from September 25-28, 2025, provided an excellent platform for MDNIY to promote health and wellness through Yoga.

At the MDNIY stall, attendees experienced a variety of programs including Diet Consultancy, Yoga Therapy, and Yoga Fusion sessions. These initiatives were designed to highlight the preventive and therapeutic benefits of Yoga, empowering individuals to embrace a healthier and more balanced lifestyle.

10वां आयुर्वेद दिवस 2025: आयुर्वेद और योग का संगम

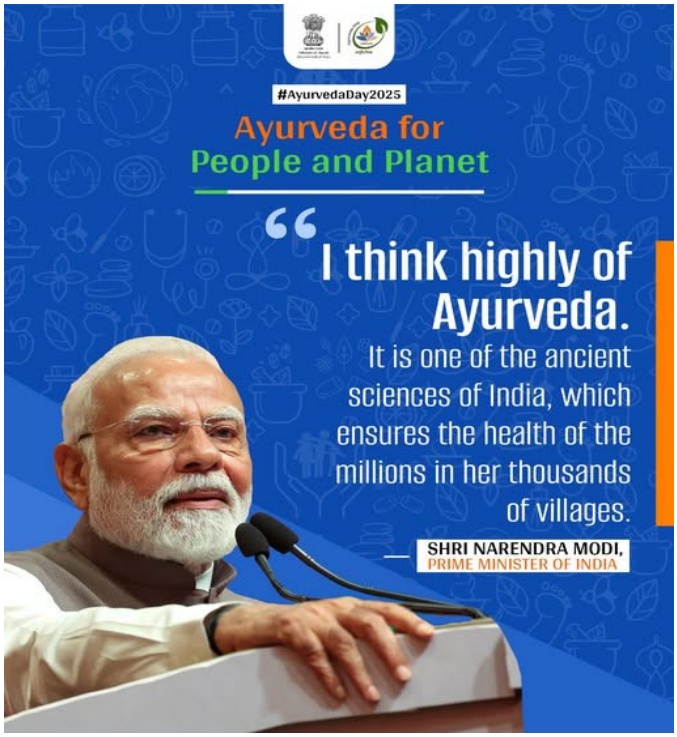

मो.दे.रा.यो.सं. ने 10वें आयुर्वेद दिवस (23 सितंबर, 2025) को उत्साह और समर्पण के साथ मनाया, जिसका उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य और सतत जीवन शैली को बढ़ावा देना था। इस वर्ष की थीम "मानव और धरती के लिए आयुर्वेद" रही, जिसने व्यक्तिगत कल्याण और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने में आयुर्वेद की कालजयी प्रासंगिकता को उजागर किया।

मुख्य समारोह का आयोजन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), गोवा में आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक परंपरा में आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "मैं आयुर्वेद को बहुत महत्व देता हूं। यह भारत का एक प्राचीन विज्ञान है, जो देश के हजारों गांवों में लाखों लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करता है।"

माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, श्री प्रतापराव जाधव जी ने कहा, "आयुर्वेद ने सदैव बच्चों के स्वास्थ्य संवर्धन को एक स्वस्थ समाज की नींव माना है।" उन्होंने आयुर्वेद की भूमिका को बचपन से ही स्वास्थ्य संरक्षण के एक सशक्त माध्यम के रूप में रेखांकित किया।

इस अवसर पर निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने एक प्रेरक संदेश देते हुए कहा, "आयुर्वेद, योग और प्रकृति के समन्वय से ही एक स्वस्थ और सतत भारत का निर्माण संभव है।

10th Ayurveda Day 2025: Confluence of Ayurveda and Yoga

The 10th Ayurveda Day 2025 was celebrated on September 23, 2025, with great enthusiasm and commitment to promoting holistic health and sustainable living. The theme for this year, "Ayurveda for People and Planet," highlighted Ayurveda's timeless relevance in fostering individual well-being and ecological harmony.

The main event was held at the All-India Institute of Ayurveda (AIIA), Goa, under the aegis of the Ministry of Ayush.

Addressing the gathering, Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi emphasised the deep-rooted significance of Ayurveda in India's cultural and scientific heritage. He stated, "I think highly of Ayurveda. It is one of the ancient sciences of India, which ensures the health of the millions in her thousands of villages."

Shri Prataprao Jadhav, Hon'ble Minister of State (Independent Charge), Ministry of Ayush, underscored Ayurveda's role in nurturing health from childhood, noting that "Ayurveda has always emphasised nurturing the health of children as the foundation of a healthy society."

On this occasion Director MDNIY, conveyed a powerful message advocating the integration of Ayurveda, Yoga, and Nature to build a healthier and more sustainable India.

मो.दे.रा.यो.सं. में प्रथम पैरा योगासन राष्ट्रीय प्रतियोगिता–2025 का आयोजन

MDNIY organises First Para Yogasana National Championship 2025

माननीय केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने सितम्बर 26, 2025 को मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के प्रांगण में प्रथम पैरा योगासन राष्ट्रीय प्रतियोगिता–2025 का शुभारंभ किया। गौरतलब है कि योगासन भारत, पैरा योगासन स्पोर्ट्स प्रमोशन कमेटी एवं नवयुग सूर्योदय सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

माननीय मंत्री जी ने अपने संबोधन में कहा, "यह आयोजन एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में योगासन के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय अंकित करता है, जो वास्तव में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग की भावना का प्रतीक है।"

माननीय मंत्री जी ने अपने संबोधन में आगे बताया, "आज, हम केवल एक एथलेटिक प्रतियोगिता का नहीं, बल्कि मानव दृढ़ संकल्प और समावेशिता के शक्तिशाली प्रदर्शन का जश्न मना रहे हैं। हम विशेष रूप से तीन अनूठी श्रेणियों–अस्थि–बाधित, दृष्टिहीन, और मूक–बधिर प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हैं। आयुष मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि योग के समग्र लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुँचें। योगासन को राष्ट्रीय खेल परिदृश्य में एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

कार्यक्रम के दौरान संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, सुश्री मोनालिसा दास की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस कार्यक्रम में निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी, सहित विभिन्न गणमान्य अतिथियों ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की, जिनमें अध्यक्ष, योगासन भारत, श्री उदित सेठ; महासचिव, योगासन भारत, डॉ. जयदीप आर्य; निदेशक, पैरा योगासन स्पोर्ट्स प्रमोशन कमेटी, डॉ. नवदीप जोशी और निदेशक, प्रतिस्पर्धा, डॉ विक्रम सिंह शामिल थे।

The Hon'ble Minister of State (Independent Charge) for Ayush and Minister of State for Health & Family Welfare, Sh. Prataprao Jadhav, inaugurated the First Para Yogasana National Championship-2025 on September 26, 2025 at MDNIY. Notably, this event was jointly organized under the auspices of Yogasana Bharat, Para Yogasana Sports Promotion Committee, and Navayug Suryoday Seva Samiti.

In his inaugural address, the Hon'ble Minister said,"This event marks a golden chapter in the history of Yogasana as a competitive sport and truly embodies the spirit of 'Yoga for One Earth, One Health."

He further added, "Today, we are not only celebrating an athletic competition but also a powerful expression of human determination and inclusivity. We especially salute the participants competing in the three unique categories- Orthopedically Handicapped, Visually Impaired, and Deaf & Mute. The Ministry of Ayush is committed to ensuring that the holistic benefits of Yoga reach every citizen. This initiative represents a significant step towards integrating Yogasana into the national sports landscape."

The event was graced by the esteemed presence of Ms. Monalisa Das, Joint Secretary, Ministry of Ayush.

Several distinguished dignitaries also attended the ceremony, including Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY; Mr. Udit Seth, President, Yogasana Bharat; Dr. Jaideep Arya, General Secretary, Yogasana Bharat; Dr. Navdeep Joshi, Director, Para Yogasana Sports Promotion Committee; and Dr. Vikram Singh, Director (Competition).

मो.दे.रा.यो.सं. में पोषण माह–2025 के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

मो.दे.रा.यो.सं. में पोषण माह–2025 के अंतर्गत सितम्बर 22, 2025 को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए पोषण एवं स्वस्थ आहार से जुड़े अपने विचार कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किए।

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और कहा कि सही आहार न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह मानसिक एकाग्रता और जीवनशैली को भी सकारात्मक दिशा देता है।

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी तथा प्रभारी उपनिदेशक, मो. तैयब आलम ने छात्र–छात्राओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति की प्रशंसा करते हुए उन्हें इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में सहायक आचार्य (ललित कला), एससीईआरटी (डाइट पीतमपुरा), सुश्री ज्योति वार्ष्णेय की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समन्वय संस्थान की आहार विशेषज्ञ सुश्री मनजोत कौर ने किया।

MDNIY organises Poster-Making Competition on Nutrition Month-2025

As part of Nutrition Month 2025, a poster-making competition was organised at MDNIY on 22nd September 2025. Students enthusiastically participated in the competition, creatively expressing their ideas on nutrition and healthy eating through artistic posters.

The Director of the Institute, Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, appreciated the efforts of the participants. He emphasised that proper nutrition is not only essential for physical health but also plays a vital role in enhancing mental focus and promoting a positive lifestyle.

Communication and Documentation Officer and In-charge Deputy Director, Md. Taiyab Alam, praised the students' creative expressions and motivated them to continue their efforts with the same enthusiasm.

The judging panel included Assistant Instructor (Fine Arts), SCERT (Diet Pitampura) Ms. Jyoti Varshney.The program was coordinated by the Institute's Dietician, Ms. Manjot Kaur.

राष्ट्रीय पोषण माह: मो.दे.रा.यो.सं. ने वंचित बच्चों तक पहुँचाया पोषण का संदेश

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत मो.दे.रा.यो.सं. ने 29 सितंबर को मीठापुर प्रोजेक्ट, बादरपुर के आंगनवाड़ी केंद्र संख्या 23 में वंचित बच्चों के लिए परस्पर संवादात्मक सत्र का आयोजन किया।

इस सत्र का उद्देश्य बच्चों में संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, ताकि उनका सही विकास, समग्र स्वास्थ्य और एनीमिया जैसी समस्याओं से बचाव सुनिश्चित हो सके।

सत्र का संचालन मो.दे.रा.यो.सं. की आहार विशेषज्ञ सुश्री मंजोत कौर ने किया, जिसमें उन्होंने बच्चों को पौष्टिक आहार लेने का महत्व बताया। इसके पश्चात, मो.दे.रा.यो.सं. की योग चिकित्सक श्रीमती मधु खुराना द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु योग अभ्यास कराए गए।

Rashtriya Poshan Maah: MDNIY reaches out to underprivileged children

As part of the ongoing Rashtriya Poshan Maah celebrations, MDNIY organised an interactive session for underprivileged children on September 29 at Aanganwadi Centre No. 23, Meethapur Project, Badarpur.

The session aimed to raise awareness among children about the importance of a balanced and nutritious diet for proper growth, overall development, and prevention of anaemia.

The awareness program was led by Ms. Manjot Kaur, Dietician, MDNIY, who engaged the children in discussions about healthy eating habits. This was followed by a Yoga session conducted by Ms. Madhu Khurana, Yoga Therapist, MDNIY, featuring child-friendly practices designed to promote physical well-being.

"रक्ताल्पता की रोकथाम में पोषण प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान

राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के तहत मो.दे.रा.यो.सं. ने विभिन्न कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस क्रम में 23 सितंबर, 2025 को, मो.दे.रा.यो.सं. की आहार विशेषज्ञ सुश्री मंजोत कौर ने केंद्रीय विद्यालय, टैगोर गार्डन में कक्षा 9–11 के छात्रों के लिए "रक्ताल्पता की रोकथाम में पोषण प्रबंधन" विषय पर व्याख्यान दिया।

इस सत्र में संतुलित आहार, आयरन युक्त खाद्य पदार्थों और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विशेष रूप से जोर दिया गया, जो किशोरों में रक्ताल्पता जैसी समस्या से निपटने में सहायक हैं।

A lecture on "Nutritional Management in the Prevention of Anaemia"

As part of the celebrations of Rashtriya Poshan Maah, MDNIY is actively organizing a series of workshops and programmes.

On 23rd September 2025, Ms. Manjot Kaur, Dietician at MDNIY, delivered an informative lecture on "Nutritional Management in the Prevention of Anaemia" to students of classes IX–XI at Kendriya Vidyalaya, Tagore Garden.

The session highlighted the significance of balanced nutrition, iron-rich foods, and healthy lifestyle practices to address anaemia, a common concern among adolescents.

आयुर्वेदिक प्रतिनिधिमंडल ने मो.दे.रा.यो.सं. में योग अभ्यासों का किया अनुभव

कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के आयुर्वेद चिकित्सकों के 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 11 सितम्बर, 2025 को मो.दे.रा.यो.सं. का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य योग और आयुर्वेद की समन्वित शक्ति एवं जीवन में उनके संतुलित प्रयोग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना था।

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और उन्हें संबोधित करते हुए एक प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने योग और आयुर्वेद को न केवल भारतीय परंपरा की धरोहर, बल्कि आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी समाधान भी बताया।

इस दौरान, डॉ. विनय कुमार भारती (योग चिकित्सक) के मार्गदर्शन में प्रतिनिधिमंडल के लिए एक विशेष षट्कर्म कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को योग की शुद्धिकरण क्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया।

Ayurvedic Delegation explores integrated Yoga practices at MDNIY

As part of the Continuing Medical Education (CME) program, a 40-member delegation of Ayurvedic physicians from the All-India Institute of Ayurveda, New Delhi, visited MDNIY on September 11, 2025. The purpose of this visit was to gain hands-on experience of the integrated power of Yoga and Ayurveda and to understand their balanced application in daily life.

The Director of the Institute, Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, warmly welcomed the delegation and delivered an inspiring lecture. In his address, he emphasised that Yoga and Ayurveda are not only treasures of Indian tradition but also offer effective solutions to the challenges of modern lifestyles.

During the visit, under the guidance of Dr. Vinay Kumar Bharti (Yoga Therapist), a special Shatkarm workshop was organised for the delegation, providing participants with a firsthand experience of the Yogic purification practices.

"स्वस्थ नारी – सशक्त भारत" अभियान के तहत मो.दे.रा.यो.सं. में महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष व्याख्यान

"स्वस्थ नारी – सशक्त भारत" अभियान (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2025) के अंतर्गत मो.दे.रा.यो.सं. ने व्याख्यानों और विशेष कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन किया। इस अभियान का शुभारंभ निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं., प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी के विशेष व्याख्यान से हुआ।

अपने संबोधन में निदेशक डॉ. समगंडी ने "स्वस्थ भारत" के निर्माण में महिलाओं के स्वास्थ्य की अनिवार्य भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिला जीवन के विभिन्न चरणों – किशोरावस्था में हार्मोनल परिवर्तन, गर्भावस्था के दौरान होने वाली समस्याएँ जैसे गर्भकालीन मधुमेह और प्रीक्लैम्पसिया, तथा रजोनिवृत्ति के समय हड्डियों की कमजोरी और मानसिक तनाव पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने महिलाओं को शारीरिक सक्रियता बनाए रखने के लिए योगाभ्यास और विशेष व्यायाम, जैसे पेल्विक फ्लोर मसल एक्सरसाइज करने की सलाह दी। साथ ही, पारंपरिक आयुर्वेद और भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित कई दैनिक उपयोगी उपाय – जैसे नस्य (नाक में औषधीय तेल का प्रयोग), धूमपान (औषधीय सुगंध का श्वास द्वारा ग्रहण), अभ्यंग (तेल मालिश), उद्वर्तन (औषधीय लेप से शरीर मर्दन) और नियमित स्नान को अपनाने की अनुशंसा की।

कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन मो.दे.रा.यो.सं. की आहार विशेषज्ञ सुश्री मंजोत कौर द्वारा किया गया।

Special lecture on women's health under the "Swasth Nari – Sashakt Bharat" campaign at MDNIY

Aligning with the "Swasth Nari - Sashakt Bharat" campaign (Sept 17 - Oct 2, 2025), MDNIY organised a series of lectures and programmes. The campaign inaugurated with the special lecture by Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY.

Director MDNIY emphasised the importance of women's health for a "Swasth Bharat," highlighting key stages in a woman's life, including hormonal changes during puberty, gestational diabetes and eclampsia during pregnancy, and osteoporosis and mood swings during menopause.

To maintain health and vitality, he recommended several Yoga practices and exercises like pelvic floor muscle exercises to promote physical activity. Additionally, he suggested to integrate traditional Ayurvedic & Indian Knowledge System practices like Nasya (nasal oil application), Dhumpaan (medicated aroma inhalation), Abhyanga (oil massage), Udvartana (herbal body scrub), and daily bathing.

The programme was coordinated by Ms. Manjot Kaur, Dietician, MDNIY.

मो.दे.रा.यो.सं. में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह संपन्न

मो.दे.रा.यो.सं. में आयोजित 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह 30 सितंबर, 2025 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने अपने उद्‌बोधन में कहा, ''समृद्ध भारत की समृद्ध भाषा हिंदी है। हमारे देश की बहुभाषी प्रकृति हमारी सांस्कृतिक विविधता का एक अभिन्न अंग है, और सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए हमें हिंदी को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि यह विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सके।'' निदेशक ने पखवाड़े को सफल बनाने में बढ़–चढ़कर योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया और आयोजकों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहे कर्मचारियों और विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डॉ. वंदना सिंह, सहायक आचार्य (हिंदी) ने स्वागत भाषण और रिपोर्ट प्रस्तुति की, जिसमें उन्होंने पखवाड़े की गतिविधियों का विस्तृत विवरण दिया। अंत में, उन्होंने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन योग प्रशिक्षिका श्रीमती अमृता शर्मा ने किया।

हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 'हिंदी टिप्पणी लेखन', हिंदी व्याकरण ज्ञान', 'हिंदी श्रुतलेखन' और 'हिंदी पोस्टर' जैसी गतिविधियाँ प्रमुख थीं।

Hindi Fortnight concludes with enthusiastic celebration at MDNIY

The 15-day Hindi Fortnight organised at MDNIY concluded with great enthusiasm and participation on September 30, 2025, in the Institute's conference hall.

Presiding over the valedictory ceremony, Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, emphasised in his address "Hindi is the language of a prosperous India. India's multilingualism is a symbol of its rich cultural diversity, and while all languages deserve respect, it is essential to give due importance to Hindi so that it may attain greater global recognition." He expressed his heartfelt appreciation to everyone who contributed to the successful organisation of the Hindi Fortnight and commended the sincere efforts of the organising committee.

The ceremony also featured the distribution of certificates to employees and students who excelled in various competitions held during the fortnight. Dr. Vandana Singh, Assistant Professor (Hindi), welcomed the gathering and presented a comprehensive report on the activities conducted throughout the event. She concluded the ceremony with a vote of thanks, acknowledging the wholehearted support and cooperation of all participants and staff. The programme was conducted by Mrs. Amrita Sharma, Yoga Instructor.

Throughout the fortnight, a range of engaging activities and competitions were organised to promote the use and importance of Hindi, including Hindi Commentary Writing, Hindi Grammar Knowledge, Hindi Dictation, and Hindi Poster Making. These activities fostered enthusiasm and awareness among participants about the beauty and relevance of the Hindi language in contemporary India.

मो.दे.रा.यो.सं. के छात्रों ने उत्साहपूर्वक मनाया शिक्षक दिवस, अपने मार्गदर्शकों को समर्पित किया रंगारंग कार्यक्रम

मो.दे.रा.यो.सं. के छात्रों ने शिक्षक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया और अपने शिक्षकों का सम्मान एक जीवंत कार्यक्रम के माध्यम से किया।

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने अपने संबोधन में छात्रों को जीवनभर सीखने की प्रेरणा दी और रचनात्मक व विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करने के लिए प्रकृति से प्रेरणा लेने पर बल दिया।

कार्यक्रम में छात्रों की विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन हुआ, जिसमें कविता पाठ, कलात्मक योग प्रदर्शन, बीट बॉक्सिंग, मिमिक्री, भांगड़ा और एम.एस.सी., बी.एस.सी., डी.वाई.एस.सी. तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा सोलो और समूह नृत्यों की प्रस्तुति शामिल थी।

यह उत्सव एक अभिनंदन समारोह के साथ संपन्न हुआ, जिसमें छात्रों ने अपने शिक्षकों और संकाय सदस्यों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

इस कार्यक्रम में संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और प्रभारी उपनिदेशक, मो. तैयब आलम; कार्यक्रम अधिकारी (योग चिकित्सा), डॉ. आई. एन. आचार्य सहित मो.दे.रा.यो.सं. के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

कार्यक्रम का समन्वय सहायक आचार्य (अंग्रेजी), डॉ. सुमन राठौड़ ने छात्रों की टीम के साथ किया।

MDNIY Students enthusiastically celebrate Teachers' Day with a cultural programme honouring their mentors

MDNIY students enthusiastically celebrated Teachers' Day, honouring their mentors with a vibrant programme.

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director, MDNIY in his address inspired students to embrace lifelong learning, drawing inspiration from nature to cultivate creative and analytical thinking.

The event showcased diverse talents, featuring poetry recitals, artistic Yoga performances, beatboxing, mimicry, Bhangra, and dynamic solo and group dances by M.Sc., B.Sc., DYSc. and CAPF personnels.

The celebration culminated in a felicitation ceremony, where students expressing their gratitude towards their teachers and faculty members.

The programme was attended by Md. Taiyab Alam, C&DO and Deputy Director (I/c); Dr I. N. Acharya, Program Officer (Yoga Therapy) along with teachers and staff of MDNIY.

The programme was coordinated by Dr. Suman Rathore, Assistant Professor (English) along with students' team.

मो.दे.रा.यो.सं. के निदेशक ने सीसीवाईडब्ल्यूआई छात्रों से पारंपरिक योग को अपनाने का किया आह्वान

Director MDNIY urges CCYWI students to embrace traditional Yoga

प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने 'सर्टिफिकेट कोर्स इन योग फॉर वेलनेस इंस्ट्रक्टर' (सीसीवाईडब्ल्यूआई) के छात्रों से 30 सितंबर, 2025 को आयोजित कोर्स के समापन समारोह में अपने संबोधन में पारंपरिक योग की आत्मसात और उसका पालन करने का आह्वान किया।

अपने प्रेरक संबोधन में प्रो. समगंडी ने यह स्पष्ट किया कि योग केवल सैद्धांतिक अध्ययन का विषय नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अनुशासन है, जिसमें निरंतर अभ्यास और आंतरिक प्रतिबद्धता आवश्यक है। उन्होंने कहा, योग में अभ्यास अनिवार्य है। वास्तविक परिवर्तन तब शुरू होता है, जब योग के सिद्धांतों को दैनिक जीवन में उतारा जाता है।"

उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे योग की प्राचीन विद्या को आधुनिक जीवनशैली के साथ समेकित करें और स्वास्थ्य व कल्याण के प्रचारक के रूप में समाज में सार्थक योगदान दें। योग की समग्र प्रकृति को उजागर करते हुए प्रो. समगंडी ने यह भी याद दिलाया कि योग में शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक आयाम शामिल हैं, और इसका वास्तविक उद्देश्य शरीर और मन के बीच संतुलन प्राप्त करना है।

Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, Director MDNIY urged the students of the Certificate Course in Yoga for Wellness Instructor (CCYWI) to imbibe and uphold the essence of traditional Yoga during his address at the valedictory function of the course held on September 30, 2025.

In his inspiring address, Prof. Samagandi emphasised that Yoga is not merely a subject of theoretical study but a discipline that requires continuous practice and inner commitment. He stated, "Practice is essential in Yoga. The real transformation begins when the principles of Yoga are applied in daily life."

He encouraged the students to integrate the ancient wisdom of Yoga with modern lifestyles and contribute meaningfully to society as ambassadors of health and well-being. Highlighting the holistic nature of Yoga, Prof. Samagandi also reminded the participants that Yoga encompasses physical, mental, emotional, and spiritual dimensions, and its true purpose lies in achieving harmony between body and mind.

मो.दे.रा.यो.सं. ने अपने विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यशाला का किया आयोजन

मो.दे.रा.यो.सं. में "कल्याण के लिए योग विज्ञान में आधार पाठ्यक्रम" (एफ.सी.वाई.एस.सी.डब्ल्यू) के ऑफलाइन और ऑनलाइन छात्र–छात्राओं के ज्ञानवर्धन और उत्साहवर्धन के लिए सितम्बर 18, 2025 को एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को योगाभ्यास, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन तथा अनुशासित दिनचर्या को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

संचार एवं प्रलेखन अधिकारी तथा प्रभारी उपनिदेशक, मो. तैयब आलम ने छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि योग मूलतः अनुभव–आधारित शास्त्र है।

संस्थानिक पाठ्यक्रम प्रभारी, डॉ. इंदु शर्मा, सहायक आचार्य (योग शिक्षा) ने भी छात्र–छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें प्रेरित किया।

इस दौरान योग प्रशिक्षक साहिल खोखर, कर्मवीर आर्य, पप्पू कुमार प्रभात, प्रियंका खुराना, हरप्रीत कौर और पूजा शाह की उपस्थिति भी देखी गई।

MDNIY organises a special workshop for their students

A special workshop was organised at MDNIY on September 18, 2025, for the students of the Foundation Course in Yoga Science for Wellness (FCYScW), both in offline and online modes. The event aimed at enhancing students' knowledge and enthusiasm towards the scientific and experiential aspects of Yoga. A large number of students participated with great interest and enthusiasm.

Director, Prof. (Dr.) Kashinath Samagandi, graced the workshop as the Chief Guest and delivered an insightful lecture on the importance of a balanced diet and a healthy lifestyle. He encouraged students to adopt regular Yogic practices, nutritious and balanced meals, and a disciplined daily routine. He also answered various questions raised by the students.

C&D Officer and In-charge Deputy Director, Md. Taiyab Alam motivated the students by emphasising that Yoga is fundamentally an experience-based discipline.

Course Coordinator and Assistant Professor (Yoga Education), Dr. Indu Sharma, also encouraged the students to pursue Yoga with dedication and discipline.

The workshop was also attended by Yoga Instructors- Sahil Khokhar, Karmveer Arya, Pappu Kumar Prabhat, Ms. Priyanka Khurana, Ms. Harpreet Kaur, and Ms. Pooja Shah, whose presence added value to the session.

मो.दे.रा.यो.सं. ने नए डी.वाई.एस.सी. विद्यार्थियों का किया स्वागत

प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं. ने 16 सितम्बर, 2025 को डी.वाई.एस.सी. (डिप्लोमा इन योग साइंस) के विद्यार्थियों के स्वागत एवं परिचय समारोह की शोभा बढ़ाई।

अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में प्रो. समगंडी ने विद्यार्थियों को मो.दे.रा.यो.सं. परिवार में शामिल होने पर बधाई दी और पाठ्यक्रम के दौरान मिलने वाले विविध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को संकाय सदस्यों के साथ संवाद बनाए रखने और ज्ञानार्जन की दिशा में सतत प्रयास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और प्रभारी उपनिदेशक मो. तैयब आलम ने विद्यार्थियों को योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा पाठ्यक्रम के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

इसके अतिरिक्त, डॉ. अर्पित कुमार दुबे, सहायक आचार्य (संस्कृत) और डॉ. इंदु शर्मा, सहायक आचार्य (योग शिक्षा) ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

डॉ. अर्पित कुमार दुबे ने विद्यार्थियों को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी, जबकि डॉ. इंदु शर्मा ने डिप्लोमा पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमन राठौर, सहायक आचार्य (अंग्रेजी) द्वारा किया गया।

MDNIY welcomes new DYSc students with an Induction Programme

Prof. (Dr). Kashinath Samagandi, Director, MDNIY graced the welcome-cum-induction programme of DYSc. Students on September 16, 2025.

In his address Dr. Samagandi congratulated the new students on joining MDNIY and highlighted the opportunities they would receive during the course. He encouraged them to interact with faculty and remain curious to gain knowledge.

Md. Taiyab Alam, C&DO and Deputy Director (I/c), inspired the students to integrate Yoga into their lives and commit fully to their curriculum.

The programme was also addressed by Dr. Arpit Kumar Dubey, Assistant Professor (Sanskrit) and Dr. Indu Sharma, Assistant Professor (Yoga Education) respectively.

Dr. Arpit Kumar Dubey briefed the students about the courses from Guru Gobind Singh Indraprastha University (GGSIPU), while Dr. Indu Sharma provided an overview of the Diploma course. The programme was coordinated by Dr. Suman Rathore, Assistant Professor (English).

न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक जॉन राटा ने किया मो.दे.रा.यो.सं. का दौरा

न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त श्री पैट्रिक जॉन राटा ने 11 सितंबर 2025 को मो.दे.रा.यो.सं. का दौरा किया।

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समगंडी ने उनका हार्दिक स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

इसके उपरांत उच्चायुक्त को संस्थान का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर मो. तैयब आलम, संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और प्रभारी उपनिदेशक भी मौजूद थे।

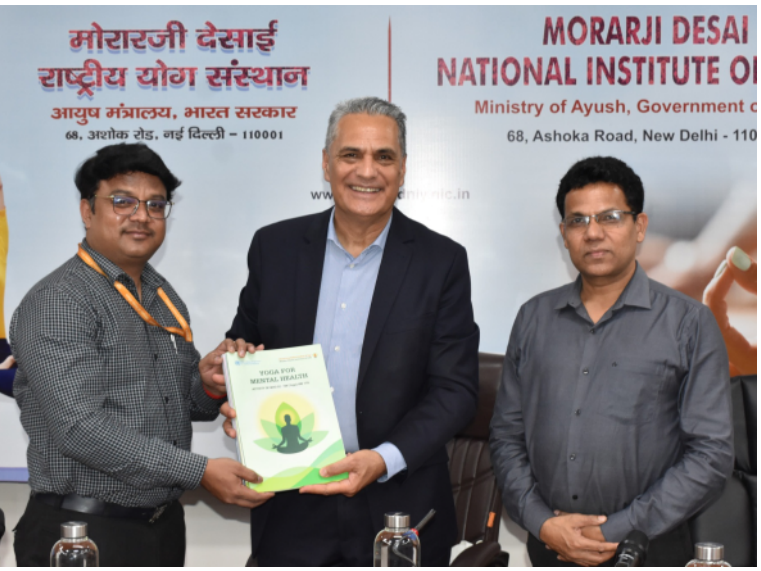

New Zealand High Commissioner Mr. Patrick John Rata visited MDNIY

Mr. Patrick John Rata, New Zealand High Commissioner visited MDNIY on September 11, 2025.

Prof. (Dr). Kashinath Samagandi, Director MDNIY extended a warm welcome and gave him a comprehensive briefing about the Institute's programs and activities.

This was followed by a guided tour of the Institute. Md. Taiyab Alam, C&DO, DD (I/c) also accompanied them.

मो.दे.रा.यो.सं. ने 7वें अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन में की शिरकत

डॉ. एस. लक्ष्मी कांधन, सहायक आचार्य (योग चिकित्सा), ने 18 सितंबर, 2025 को ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन में मो.दे.रा.यो.सं., आयुष मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया।

परस्पर संवादात्मक सत्र के दौरान डॉ. कांधन ने "योग और शारीरिक संरेखण" पर प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने अपने व्यापक अनुभव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण साझा किए। प्रतिभागियों को अपने शरीर के प्रति जागरूकता बढ़ाने, योगाभ्यास को और परिष्कृत करने तथा सही मुद्रा अपनाने की तकनीकों को सीखने का अवसर मिला।

यह कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयुष मंत्रालय, भारतीय दूतावास (ताशकंद, उज्बेकिस्तान), भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और उज्बेकिस्तान योग महासंघ द्वारा आयोजित किया गया था।

MDNIY Participates in the 7th International Yoga Conference

Dr. S. Lakshmi Kandhan, Assistant Professor (Yoga Therapy) represented MDNIY, Ministry of Ayush at the 7th International Conference on Yoga in Tashkent, Uzbekistan.

During an interactive plenary session, Dr. Kandhan presented on "Yoga & Body Alignment," sharing his extensive experience and scientific insights. Attendees had the opportunity to explore techniques for enhancing body awareness, refining their Yoga practice, and perfecting their posture.

The event was jointly organised by Ministry of Ayush, Embassy of India, Tashkent, Uzbekistan, Indian Council for Cultural Relations & Yoga Federation of Uzbekistan.

मो.दे.रा.यो.सं. ने भारतीय सेना की सिग्नल यूनिट के अधिकारियों और जवानों का किया हार्दिक स्वागत

मो.दे.रा.यो.सं., आयुष मंत्रालय ने 4 सितंबर, 2025 को भारतीय सेना की सिग्नल यूनिट के अधिकारियों और जवानों का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर ने भारतीय सेना के कर्मियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए एक माह के योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ का संकेत दिया।

इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों की शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और समग्र स्वास्थ्य को योग के प्राचीन विज्ञान के माध्यम से सुदृढ़ करना है। विशेष रूप से उन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जिनमें वे अपनी अमूल्य सेवा देते हैं।

उद्घाटन सत्र के दौरान मो.दे.रा.यो.सं. के वरिष्ठ अधिकारियों ने सेना के कर्मियों का स्वागत किया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम से परिचित कराया गया, जिसमें आसन, प्राणायाम, क्रियाएं, ध्यान, विश्राम तकनीकें और यौगिक जीवनशैली के अभ्यास शामिल हैं, जो योग के वैज्ञानिक एवं दार्शनिक सिद्धांतों पर आधारित होंगे।

MDNIY Extends a warm welcome to the Officers and Personnel of the Indian Army Signals Unit

MDNIY, Ministry of Ayush extended a warm welcome to the Indian Force Signals Unit on September 4, 2025. The visit marked the commencement of a specialised one-month Yoga Training Programme designed exclusively for the personnel of the Indian Army.

The programme aims to enhance the physical fitness, mental resilience, and holistic well-being of the participants through the ancient science of Yoga. Overall health optimisation, especially considering the challenging environments in which they serve.

During the inaugural session, senior officials of MDNIY welcomed the Army personnel. The participants were introduced to the curriculum, which includes Asanas, Pranayama, Kriyas, Meditation, Relaxation Techniques, and Yogic Lifestyle practices, supported by the scientific and philosophical foundations of Yoga.

मो.दे.रा.यो.सं. ने एनसीईआरटी की 'खेल यात्रा' कार्यशाला में निभाई अहम भूमिका

डॉ. विनय कुमार भारती, योग चिकित्सक, मो.दे.रा.यो.सं. ने 'शारीरिक शिक्षा और कल्याण (खेल यात्रा – कक्षा 4) विषय के लिए शैक्षिक ऑडियो–वीडियो कार्यक्रमों की स्क्रिप्ट विकास' नामक विशेष कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। यह कार्यशाला 22 से 26 सितंबर 2025 तक केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईईटी), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली में आयोजित की गई।

कार्यशाला के दौरान डॉ. भारती ने शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य और योग के क्षेत्र में अपने अनुभव और विशेषज्ञता का परिचय देते हुए युवा शिक्षार्थियों के लिए रोचक और प्रभावी शैक्षिक स्क्रिप्ट तैयार करने में महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

MDNIY Plays a Pivotal Role in NCERT's Khel Yatra Workshop

Dr. Vinay Kumar Bharati, a Yoga Therapist associated with MDNIY, actively participated as a Resource Person in the specialised workshop titled "Script Development for Educational Audio-Video Programmes for the subject – Physical Education and Well-Being (Khel Yatra – Class 4)". This workshop was conducted from September 22 to 26, 2025, at the Central Institute of Educational Technology (CIET), under the National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

During the workshop, Dr. Bharati providing valuable insights in physical education, health, and Yoga for into designing engaging and educational scripts.

मो.दे.रा.यो.सं. ने आईएनजीएएफ में योग सत्र का नेतृत्व किया

इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नमेंट अकाउंट्स एंड फाइनेंस (आईएनजीएएफ) में योग चिकित्सक सुश्री मधु खुराना ने 22 सितंबर, 2025 को, "मन और आत्मा के संतुलन के लिए योग" विषय पर एक सत्र का संचालन किया।

आईएनजीएएफ के अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा की और योग को तनाव प्रबंधन तथा समग्र स्वास्थ्य में सहायक मानते हुए इसकी महत्ता को स्वीकार किया।

MDNIY leads Yoga Session at INGAF

Ms. Madhu Khurana, Yoga Therapist, conducted a Yoga session on "Yoga for Mind & Soul Alignment" at the Institute of Government Accounts and Finance (INGAF) on 22nd September, 2025.

The programme was well received by the international participants of INGAF and appreciated Yoga's role in stress management and overall wellness.

विकसित भारत 2047 की राह में कठोपनिषद का दार्शनिक योगदान

"नैतिकता, मृत्यु और मोक्षरू कठोपनिषद में आत्मा और मुक्ति की खोज" विषय पर एक प्रेरक और ज्ञानवर्धक पेपर प्रस्तुति 13 सितंबर, 2025 को गुरु नानक गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, उदयपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय (बहुभाषी) सम्मेलन "भारतीय ज्ञान प्रणालीः विकसित भारत 2047 की राह" के दौरान दी गई। यह कार्यक्रम अकादमिक एसोसिएशन ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, उदयपुर के सहयोग से आयोजित किया गया।

इस प्रस्तुति में सम्मिलित थेः

- **डॉ. अर्पित कुमार दुबे**
  सहायक आचार्य (संस्कृत), मो.दे.रा.यो.सं.
- **डॉ. वंदना सिंह**
  सहायक आचार्य (हिंदी), मो.दे.रा.यो.सं.
- **डॉ. पवन कुमार**
  सहायक आचार्य (योग शिक्षा), मो.दे.रा.यो.सं.
- **डॉ. सुमन राठौर**
  सहायक आचार्य (अंग्रेजी), मो.दे.रा.यो.सं.
- **कु. खुशबू राठौर**
  शोध छात्रा, एमएलएसयू, मो.दे.रा.यो.सं.

इस सत्र में कठोपनिषद को समझाने का प्रयास किया गया।

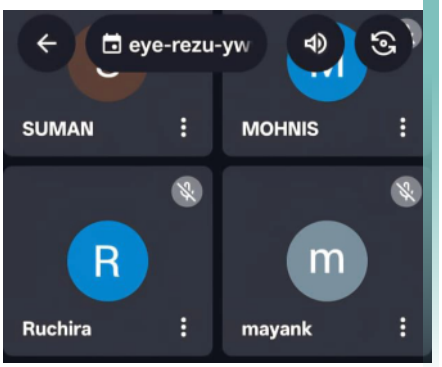

Philosophical contribution of Kathopanishad on the path to Developed India 2047

A thought-provoking paper presentation on "Ethics, Mortality, and Moksha: Exploring the Self and Liberation in the Kathopanishad" was delivered on September 13, 2025 at the International Conference (Multilingual) on Indian Knowledge System: A Roadmap to Viksit Bharat 2047 at Guru Nanak Girls' PG College, Udaipur, in association with the Academic Association of Commerce and Management, Udaipur.

The presenters included Dr. Arpit Kumar Dubey, Assistant Professor (Sanskrit), MDNIY; Dr. Vandana Singh, Assistant Professor (Hindi) MDNIY; Dr. Pawan Kumar, Assistant Professor (Yoga Education), MDNIY; Dr. Suman Rathore, Assistant Professor (English), MDNIY and Ms. Khushbu Rathore, Research Scholar, MLSU & MDNIY.

The session reflected the timeless wisdom of the Kathopanishad.

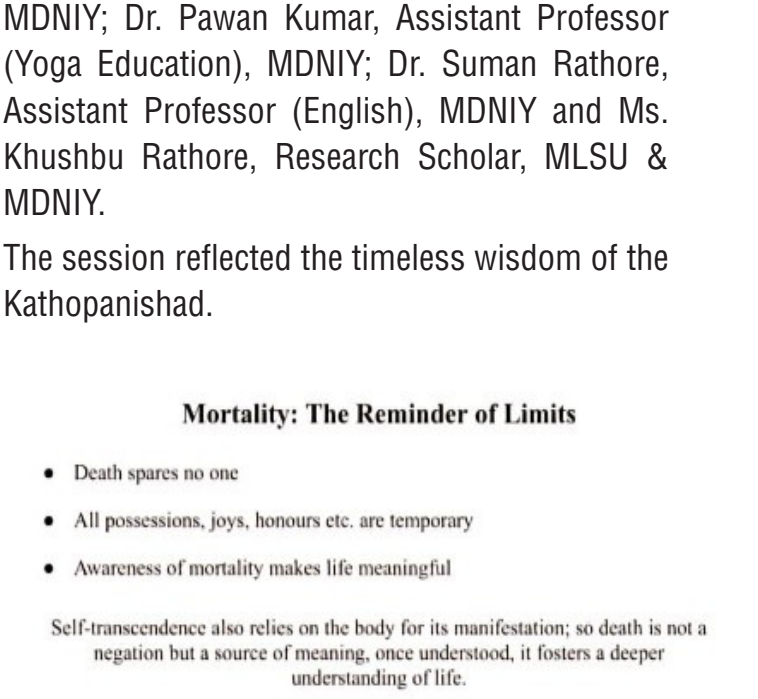

MEDIA COVERAGE

जागरण सिटी दिल्ली

नई दिल्ली, 16 सितंबर 2025

न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त ने मोरारजी देसाई योग संस्थान का किया दौरा

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में योग की पुस्तक के साथ न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक जानराटा ● सौजन्य- संस्थान

वि., नई दिल्ली: न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त पैट्रिक जान राटा ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान का दौरा किया। संस्थान के निदेशक प्रो. डा. काशीनाथ समगंडी ने राटा को इस दौरान संस्थान में चल रही विभिन्न योजनाओं व गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी।

इसके बाद उन्हें संस्थान के विभिन्न विभागों का परिभ्रमण कराया गया, ताकि वे संस्थान की कार्यप्रणाली और योग शिक्षण विधियों से अवगत हो सकें। इस अवसर पर संस्थान के संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और प्रभारी उपनिदेशक मो. तैयब आलम भी उपस्थित रहे। उच्चायुक्त ने संस्थान के योग कार्यक्रमों की प्रशंसा की और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही।

APN NEWS

New Delhi- Day 1 of the three-day First Para National Yogasana Championship 2025–26 unfolded with grandeur and inspiration at the Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY), New Delhi. The prestigious event, recognized by the Ministry of Youth Affairs & Sports, Government of India, is being hosted from 26th to 28th September 2025, jointly organised by Yogasana Bharat and NavYog Suryodaya Seva Samiti, with the support of Divyang Seva Sansthan.

Hindustan Times

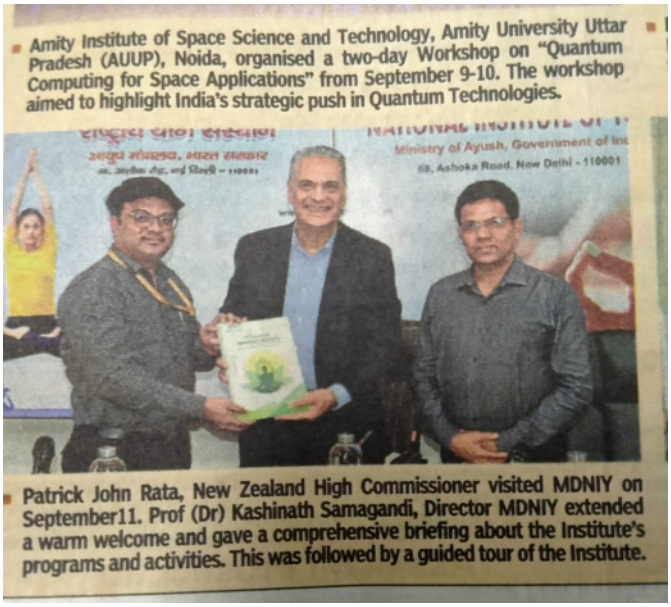

Amity Institute of Space Science and Technology, Amity University Uttar Pradesh (AUUP), Noida, organised a two-day Workshop on "Quantum Computing for Space Applications" from September 9-10. The workshop aimed to highlight India's strategic push in Quantum Technologies.

Patrick John Rata, New Zealand High Commissioner visited MDNIY on September11. Prof (Dr) Kashinath Samagandi, Director MDNIY extended a warm welcome and gave a comprehensive briefing about the Institute's programs and activities. This was followed by a guided tour of the Institute.

अमर उजाला

केंद्रीय राज्यमंत्री ने प्रथम पैरा योगासन राष्ट्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने प्रथम पैरा योगासन राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। यह आयोजन एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में योगासन के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय अंकित करता है जो वास्तव में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग की भावना का प्रतीक है। उन्होंने योग को जीवन का एक दर्शन बताया और कहा कि यह शारीरिक सीमाओं से परे है। उन्होंने कहा, योग स्वयं की, स्वयं तक की एक यात्रा है। आज हम केवल एक एथलेटिक प्रतियोगिता का नहीं बल्कि मानव दृढ़ संकल्प और समावेशिता के शक्तिशाली प्रदर्शन का जश्न मना रहे हैं।

प्रतियोगिता में अद्भुत संतुलन का प्रदर्शन करते बच्चे। अमर उजाला

myKhel

"Hockey Gave India Pride of Place in the Olympics": Mandaviya

Addressing the gathering, Dr. Mandaviya highlighted the emotional connection between India and hockey, calling the sport "a symbol of national pride."

"It was through hockey at the Olympics that we showed the world what India can achieve in sports. We have never looked back since. With its rich history, Indian hockey is once again on the rise and moving towards another Olympic medal," he said.